

**चित्रांगी स्त्री.** (तत्.) कनसलाई नाम का एक कीड़ा  
2. मजीठ, कनखजूरा।

**चित्रा स्त्री.** (तत्.) 1. सत्ताईस नक्षत्रों में से चौदहवाँ नक्षत्र 2. मूषिकपर्णी 3. ककड़ी या खीरा 4. मजीठ 5. दंती वृक्ष, गंड दूर्वा 6. अजवाइन 7. सुभद्रा 8. एक सर्प का नाम 9. एक नदी का नाम 10. एक अप्सरा का नाम 11. एक रागिनी का नाम 12. चितकबरी गाय।

**चित्राक्ष पुं.** (तत्.) धृतराष्ट्र के पुत्र का नाम।

**चित्राक्षी स्त्री.** (तत्.) मैना, सारिका।

**चित्राटीर पुं.** (तत्.) 1. चंद्रमा 2. शिव का अनुचर घंटाकर्ण 3. बलि दिए हुए रक्त से रंजित मस्तक या ललाट।

**चित्रादित्य पुं.** (तत्.) स्कंद पुराण के प्रभास खंड में वर्णित प्रभास क्षेत्र में भगवान शिव द्वारा स्थापित सूर्य की मूर्ति।

**चित्राधार पुं.** (तत्.) 1. चित्र रखने का स्थान 2. चित्र-संग्रह 3. चित्रपट 4. अनेक चित्रों का संग्रह करके रखी या बनाई हुई एक पुस्तक।

**चित्रायस पुं.** (तत्.) इस्पात, लोहा।

**चित्रायुध पुं.** (तत्.) विलक्षण अस्त्र 2. धृतराष्ट्र के एक पुत्र का नाम।

**चित्रालय पुं.** (तत्.) चित्रशाला।

**चित्रालिपि स्त्री.** (तत्.) एक प्रकार की लिपि जिसमें संकेतों के व्यंजक चित्रों द्वारा अभिप्राय या आशय का बोध कराया जाता है, लिपि-विकास की वह अवस्था जिसमें चित्रात्मक रेखा-प्रतीकों से भाषा का लेखन किया जाता रहा है, चित्रात्मक लिपि।

**चित्रावसु स्त्री.** (तत्.) नक्षत्रों से मंडित रात्रि।

**चित्राश्व पुं.** (तत्.) सत्यवान का नाम।

**चित्रिक पुं.** (तत्.) चैत का महीना।

**चित्रिणी स्त्री.** (तत्.) सुंदर स्त्री विशेष. कामशास्त्र एवं काव्यशास्त्र के अनुसार स्त्रियों के चार भेद हैं- पद्मिनी, चित्रिणी, शंखिनी तथा हस्तिनी,

चित्रिणी स्त्री का वह रूप या भेद है जो समस्त कलाओं में तथा शृंगार रचना में निपुण होती है।

**चित्रित वि.** (तत्.) 1. चित्र में खींचा हुआ, चित्र द्वारा दिखाया हुआ, जिसका रंग रूप चित्र में दिखाया गया हो 2. जिस पर चित्र बने हों।

**चित्री वि.** (तत्.) चित्रयुक्त, चित्रित 2. चितकबरा।

**चित्रीकरण पुं.** (तत्.) 1. चित्रांकन 2. अनेक वर्णों से रंगना 3. चित्र बनाने का कार्य या क्रिया।

**चित्रेष पुं.** (तत्.) चित्रा नक्षत्र के पति चंद्रमा।

**चित्रोक्ति स्त्री.** (तत्.) 1. आकाश 2. अलंकृत भाषा में कथन, सुंदर भाषण।

**चित्रोत्तर पुं.** (तत्.) 1. वह काव्यालंकार जिसमें प्रश्न के शब्दों में उनका उत्तर हो अथवा कई प्रश्नों का एक ही उत्तर हो जैसे- "को शुभ अक्षर कौन युवतिजो धनवश कीनी विजय सिद्धि संग्राम राम कहें कौने दीनी" इस शैली को प्रश्नोत्तर शैली भी कहते हैं।

**चित्रोत्पला स्त्री.** (तत्.) उड़ीसा की "चितरतला" नामक नदी 2. मत्स्य 3. मछली।

**चित्र्य वि.** (तत्.) 1. पूज्य 2. चुनने या इकट्ठा करने योग्य।

**चिथड़ा पुं.** (देश.) फटा-पुराना कपड़ा, गूदड़, लत्ता।

**चिथड़िया वि.** (देश.) 1. चिथड़े वाला 2. चिर कुटिया 3. गूदड़िया।

**चिथाड़ना स.क्रि.** (देश.) 1. चीरना, फाड़ना, धज्जी-धज्जी करना 2. अपमानित करना, लज्जित करना, नीचा दिखाना।

**चिदाकाश पुं.** (तत्.) आकाश के समान निर्लिप्त और सबका आधारभूत ब्रह्म, परब्रह्म।

**चिदात्मा पुं.** (तत्.) चैतन्य स्वरूप परब्रह्म।

**चिदानंद पुं.** (तत्.) चैतन्य और आनंदमय परब्रह्म।

**चिदाभास पुं.** (तत्.) चैतन्य स्वरूप परब्रह्म का आभास या प्रतिबिंब जो अंतःकरण पर पड़ता है 2. जीवात्मा।